सच्चाई के दम पर जोश के साथ...

प्रधान संपादक: रतन प्रकाश सिंह

www.swarajindianews.com

swarajindianews swarajindianews

दैनिक सांध्यकालीन

स्वराज इंडिया

कानपुर, मंगलवार, 15 अप्रैल, 2025

वर्ष: 02, अंक: 109, पृष्ठ: 8+4, मूल्य: ₹ 2/-

इनसाइड » ग्राम ओहरामऊ के पंचायत भवन में ताला, जनता परेशान... » Pg10

मंगेतर के सामने गैंगरेप: पीड़िता को दी पांच लाख की सहायता

» Pg12

हरदोई में 650 करोड़ की विकास परियोजनाओं का शिलान्यास

लातों के भूत बातों से कहां मानने वाले हैं: सीएम योगी

बोले मुख्यमंत्री- बंगाल जल रहा है, वहां की मुख्यमंत्री चुप हैं, दंगाइयों को शांति दूत कहती हैं । कहा-दंगाई डंडे से ही मानेंगे

बंगाल हिंसा पर खूब गरजे योगी

» वरिष्ठ संवाददाता, स्वराज इंडिया ब्यूरो।

हरदोई। यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ मंगलवार को हरदोई पहुंचे। यहां उन्होंने जनसभा को संबोधित करते हुए पश्चिम बंगाल की ममता बनर्जी सरकार पर निशाना साधा। मुख्यमंत्री योगी ने बंगाल में हुई हिंसा की घटना को लेकर कहा कि लातों के भूत बातों से कहां मानने वाले हैं। बंगाल जल रहा है और वहां कि सीएम चुप हैं। उन्होंने दंगाइयों को दंगे करने की पूरी छूट दे रखी है। दंगाई डंडे से ही मानेंगे।

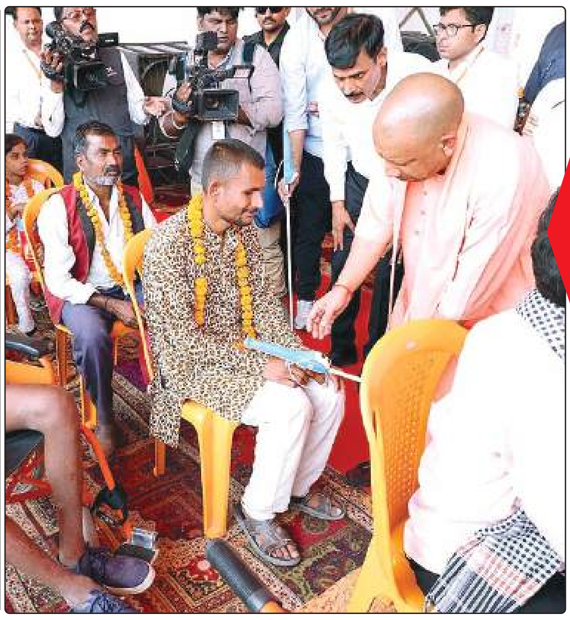

दरअसल सीएम योगी आज मंगलवार को हरदोई पहुंचे। यहां उन्होंने हरदोई में 650 करोड़ की विकास परियोजनाओं का लोकार्पण/शिलान्यास करते हुए कहा, कि यहां हर दूसरे तीसरे दिन दंगा होता था। इन दंगाइयों का उपचार ही डंडा है। बिना डंडे के मानेंगे नहीं। आप देख रहे होंगे कि बंगाल जल रहा है। वहां की मुख्यमंत्री चुप हैं। दंगाइयों को शांतिदूत कहती हैं। लातों के भूत बातों से कहां मानने वाले हैं। लेकिन सेक्युलरिज्म के नाम पर इन लोगों ने दंगाइयों को दंगे करने की छूट दे रखी है। पिछले एक सप्ताह से मुर्शिदाबाद जल रहा है। सरकार चुप है। इस तरह की आरजकता पर लगाम लगनी चाहिए।

सीएम योगी ने पश्चिम बंगाल के न्यायालय का आभार भी जताया। उन्होंने कहा, मैं वहां के न्यायालय को धन्यवाद दूंगा क्योंकि उन्होंने वहां पर केंद्रीय बलों को तैनात कर अल्पसंख्यकों हिंदुओं की सुरक्षा की व्यवस्था के लिए कदम उठाया है। आज केंद्रीय बल वहां तैनात है।

विकसित भारत का सपना 2047 तक होगा पूरा

सीएम योगी कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि राशन, रोजगार, किसान सम्मान, लखपति दीदी जैसी योजनाओं से जनता लाभान्वित हो रही है। विकसित भारत की परिकल्पना के लिए हमें आत्मनिर्भर होगा होना। नौजवानों की स्किल को रफ्तार देनी है। 2047 तक विकसित भारत का सपना पूरा होगा।

» लाभार्थियों को प्रमाण पत्र, चेक, ओडीओपी किट एवं दिव्यांगों को उपकरण भी वितरित किए।

संशोधन बिल से वापस आई जमीन पर होंगे ये कार्य

उन्होंने आगे कहा कि वक्फ संशोधन बिल से वापस आई जमीन पर अस्पताल, गरीबों के लिए मकान, स्कूल, विश्वविद्यालय, निवेश लैंड आदि बनेगा। हरदोई में सीएम आवास योजना के तहत हजारों आवास मिले हैं। जनता को आयुष्मान भारत योजना का लाभ मिल रहा है।

दर्दनाक हादसा

एक ही परिवार के सदस्य हैं मृतक, सीएम ने जताया दु:ख

डबल डेकर बस-टेंपो भिड़े, छह की मौत, आठ घायल

» विशेष संवाददाता, स्वराज इंडिया।

बहराइच। यूपी के बहराइच में मंगलवार की दोपहर बड़ा हादसा हो गया। बहराइच-गोंडा मार्ग पर डबल डेकर बस ने सवारियों से भरी टेंपो को टक्कर मार दी। इससे टेंपो सवार एक ही परिवार के छह लोगों की मौत हो गई। आठ लोग गम्भीर रूप से घायल हो गए हैं। सभी को मेडिकल कॉलेज लाया गया है। इनमें दो की हालत बेहद गम्भीर बताई जा रही है। उन्हें लखनऊ रेफर करने की तैयारी हो रही है। हादसे की जानकारी मिलते ही स्थानीय पुलिस के साथ ही एसडीएम और सीओ भी पहुंचे हैं। सीएम योगी ने भी हादसे का संज्ञान लिया है। अधिकारियों को राहत और बचाव कार्य में लगने का निर्देश दिया है।

हादसा गोंडा-बहराइच मार्ग पर खुटेहना चौआ के कटेल चौराहे के पास हुआ। टेंपो ने आगे चल रहे ट्रैक्टर को ओवरटेक करने की कोशिश की। इसी दौरान सामने से आ रही डबल डेकर बस से उसकी जोरदार टक्कर हो गई। बस ने इतनी तेज टक्कर मारी कि बस के परखच्चे उड़ गए। टेंपो में 16 लोग सवार थे। कई लोग टेंपो में ही फंस गए और कई लोग दूर तक छिटक गए। मौके पर चीख पुकार मच गई। आसपास के लोगों ने पुलिस और एंबुलेंस को सूचना दी। टेंपो में फंसे और छिटके लोगों को उठा-उठाकर सड़क किनारे किया गया। जब तक लोगों को अस्पताल पहुंचाया जाता अमजद (50), मरियम (60), अलीम (12), फहद (4) और मुन्नी (40) की मौत हो चुकी थी।

बताया जाता है कि कोल्हुवा में मोहम्मद याकूब के विवाह के बाद दावते वलीमा थी। हुजूरपुर थाना क्षेत्र के हीरापुर गांव के रहने वाले रिश्तेदार उसी में शामिल होने टेंपो से जा रहे थे। पूरा टेंपो बुक किया गया था। इसी दौरान रास्ते में हादसा हो गया। घायलों को लेकर मेडिकल कॉलेज में व्यवस्था की गई है। कुछ घायलों को बेहतर उपचार के लिए लखनऊ भेजा जा रहा है।

बाबा साहब की सीख पर लिया नशा मुक्ति का संकल्प

» साल भर रखते समाज को अँधेरे में, बाबा साहब के नाम पर भाषणवीरों की खूब चमकी राजनीति

» भाषणवीरों को आइना दिखाया, बोले नशा मुक्ति का संकल्प लेकर हम चलेंगे आम्बेडकर के बताये रास्ते पर

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। एक ओर जहाँ भारत संविधान निर्माता और महान समाज सुधारक बाबा साहब भीम राव आंबेडकर की जयंती पर राजनीती चमकाई गई। वहीं बाबा साहब आम्बेडकर के बताये रास्ते पर चलने के लिए उनके जन्म दिवस पर महिलाओं ने नशे के उत्पादों का पुरजोर विरोध किया और समाज में लोगों के साथ नशा मुक्ति का संकल्प लिया। यह बाबा साहब को सच्ची श्रद्धांजलि के रूप में देखीं गई। कानपुर के अन्ना चौराहा, सनिगवां रोड, विमान पुरी में प्रदीप पटेल की अगुवाई में भारत रत्न सेवा समिति द्वारा आयोजित आंबेडकर जयंती के अवसर पर महिलाओं ने डॉ भीमराव अंबेडकर के सपनो को साकार करने में समाज में बढ़ती नशा खोरी को सबसे बड़ी बाधा बताया। नशा खोरी के कारण शिक्षा, स्वास्थ्य, धन-संपति, रोजगार और सामाजिक प्रतिष्ठा में तो कमी आ ही रही है। नशे में वोट तक

बिक जाते हैं। कार्यक्रम में उपस्थित महिलाओं द्वारा नाश विरोधी पोस्टरों के माध्यम के अपने घर परिवार और समाज को नशा और दुर्व्यसन से दूर रखने का संकल्प लेकर एक अनूठी पहल की गई। यह पहल समाज में नज़ीर बनी, एक ओर जहाँ बाबा साहब के नाम पर खूब भाषणबाजी हुई, जयकारे लगाए गए लेकिन बाबा साहब के बताये रास्ते और उनसे सीख लेने के बजाय राजनीति चमकाई गई वहीं बाबा साहब के बताये रस्ते पर चलने का संकल्प लेना भाषणवीरों को आईना दिखा गया।

कानपुर में जांच के डर से वक्फ जमीन पर बसे लोगों में खलबली

लाखों लोगों की नींद हराम, भूमाफियाओं ने किया खेल

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। हर इंसान का ख्वाब होता है कि वह अपने बच्चों को एक आशियाना जरूर बनाकर दे। तिनका तिनका जोड़कर किसी तरह लोग रहने का ठिकाना बनाते हैं और ऐसे ही लोगों को भूमाफिया ने अपना शिकार बनाया। वक्फ जमीनों को बेचकर भूमाफिया तो लंबी रकम लेकर किनारे हट गए लेकिन जिन लोगों ने फ्लैट मकान या दुकान लिए हैं, उनके चेहरों पर हवाइयां उड़ रही हैं क्योंकि वक्फ संशोधन कानून आने के बाद इन संपत्तियों का भविष्य अंधेरे में है।

घनी आबादी वाले क्षेत्रों में दर्जनों ऐसी वक्फ संपत्तियां हैं, जिन्हें भूमाफिया ने 25 से 30 लाख रुपये तक एडवांस लेकर 4 से 5 कमरों वाले फ्लैट एग्रीमेंट करके थमा दिये। ऐसे लोगों को ट्रस्ट की ओर से माफिया एक रसीद थमा देते हैं कि आपको 800 रुपये या 1000 रुपये किराया देना है। मेन रोड पर कई दुकानें तो ऐसी हैं जो 50-50 लाख रुपये में दी गई हैं हालांकि ये भी कोई जरूरी नहीं है कि जिस ट्रस्ट

की रसीद थमाई गई है, वह असली ट्रस्ट हो।

चमनगंज, बेकनगंज, कर्नलगंज समेत दर्जनों क्षेत्र हैं, जहां वक्फ की संपति में वन टू का फोर करने वाले करोड़पति बन गए लेकिन जिन लोगों ने फ्लैट, दुकान, मकान वक्फ का लिया है, उनकी जान अटकी है कि कहीं योगी सरकार जांच न करा दे।

कानपुर की वक्फ संपत्तियों का ब्यौरा बनाकर शासन को भेज दिया है। इसमें शिया और सुन्नी दोनों वक्फ जायदाद शामिल हैं। इनमें कितनी वक्फ जायदाद पर कब्जा है, कितनी संपति विवादित है, पूरा ब्यौरा शासन को भेजा है।

श्री गौरी हॉस्पिटल एंड ट्रॉमा सेंटर
(AN ISO 9001:2015 CERTIFIED HOSPITAL)
यू.पी.एस.आई.डी.सी. जैनपुर, कानपुर देहात
Mob: 9710106661, 73310106662, 7310106663
अल्ट्रासाउण्ड, सी.टी. स्कैन, डिजिटल एक्सरे की 24 घंटे सुविधा उपलब्ध
- आई0सी0यू0/सी0सी0यू0।
- वेंटीलेटर, ए0वी0जी0ए0, कारडियक मॉनीटर, मल्टीपैरा मॉनीटर की सुविधा।
- C-Arm युक्त वतानुकूलित ऑपरेशन थियेटर।
- ट्रामा स्पोर्ट हेड इन्जुरी का सफल इलाज।
- डिजिटल एक्स.रे, सी.टी. स्कैन, अल्ट्रासाउण्ड (U.S.G.) की सुविधा

आयुष्मान भारत योजना के तहत इलाज उपलब्ध है।
टी.पी.ए. कैशलेस की सुविधा उपलब्ध

उपलब्ध सुविधाएं:- ए0बीजी0ए0 मशीन
1. अत्यंत कम वजन के नवजात शिशु एवं समय से पहले जन्में शिशुओं की विशेष देखभाल। 2. नवजात एवं बाल्य गहन चिकित्सा इकाई ;च्प्ब्न्द्ध 3. चौबीस घंटे मेडिकल स्टोर, एक्सरे, पैथालॉजी, कैन्टीन की सुविधा। 4. नि:शुल्क एम्बुलेंस की सुविधा। 5. दूरबीन द्वारा पित्त एवं गुर्दे, यूरेटर की पथरी का ऑपरेशन, बच्चेदानी में गांठ का ऑपरेशन दूरबीन द्वारा किया जाता है। 6. गहन चिकित्सा इकाई, वेंटीलेटर सुविधा सहित। 7. सभी प्रकार के हड्डी रोग एवं ट्रामा सम्बंधित ऑपरेशन। 8. सिजेरियन ऑपरेशन/डिलेवरी/बच्चेदानी का ऑपरेशन अत्याधुनिक ऑपरेशन थियेटर। 9. कार्डियक मीनीटरिंग/इको कार्डियोग्राफी/सोनोग्राफी/टी.एम.टी.

डा. संजय त्रिपाठी
एम.बी.बी.एस., एमडी मेडिसिन
फेलोशिप क्रिटिकल केयर

विजय बाजपेई
मैनेजिंग डायरेक्टर
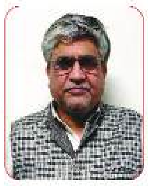

जीटी रोड पर भीषण सड़क हादसा

ड्राइवर समेत 3 की दर्दनाक मौत,एक शिक्षिका की हालत गंभीर

अंजुला मिश्रा मृतका
टीचर नियामतपुर प्राथमिक विद्यालय सफीपुर उन्नाव

विशाल मृतक
कार ड्राइवर निवासी कल्याणपुर कानपुर

आकांक्षा मिश्रा मृतका
टीचर नियामतपुर प्राथमिक विद्यालय उन्नाव।

» स्कूल जा रही शिक्षिकाओं की कार बस से टकराई

मुख्य संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर।उत्तर प्रदेश के कानपुर में बिठूर थाना क्षेत्र के नारामऊ जीटी रोड हाईवे पर मंगलवार की सुबह भीषण सड़क हादसा हो गया। इसमें तेज रफ्तार कार और बस की जोरदार टक्कर हो गई।इसमें स्कूल जा रहीं दो शिक्षिकाओं और ड्राइवर की दर्दनाक मौत हो गई। जबकि एक अन्य शिक्षिका बुरी तरह घायल हो गईं। उसकी हालत गंभीर बताई जा रही है। ये शिक्षिकाएं रोज की तरह कार से अपने-अपने स्कूल जा रही थीं।

कानपुर के कल्याणपुर के नया शिवली रोड निवासी 37 वर्षीय आकांक्षा मिश्रा शिक्षिका थीं। वर्तमान में उनकी तैनाती उन्नाव के कंपोजित विद्यालय जमाल नगर सफीपुर में थी।मंगलवार सुबह वह रोज की तरह कार से विद्यालय जा रही थीं। इस दौरान उनके साथ 41वर्षीय शिक्षिका अंजुला मिश्रा निवासी विश्व बैंक बर्रा, रिचा अग्निहोत्री निवासी कल्याणपुर गूबा गार्डन भी थीं। सुबह करीब 7.30 बजे नारामऊ नई क्रॉसिंग के पास उनकी कार और बस में आमने-सामने टक्कर हो गई।

घर पर हादसे की खबर पहुंची तो मचा हड़कंप

हाईवे पर शिक्षिकाओं की कार एक्सीडेंट की सूचना पहुंचते ही उनके घरों में कोहराम मच गया। शिक्षिकाएं रोज सुबह जल्दी उठतीं और घर के सारे काम निपटा कर स्कूल जाया करती थीं। मंगलवार को भी वे रोज की तरह अपने-अपने घरों से स्कूल के लिए निकली थीं लेकिन थोड़ी ही देर बाद दर्दनाक हादसे की खबर आई। हादसे में जान गंवाने वाली शिक्षिका आकांक्षा मिश्रा और अंजुला मिश्रा और ड्राइवर विशाल द्विवेदी के घरों में मातम पसरा है। उन्हें जानने वाले शिक्षक, कर्मचारी और छात्र भी बेहद दुखी हैं। वहीं घायल शिक्षिका रिचा अग्निहोत्री के जल्द स्वस्थ होने के लिए ईश्वर से प्रार्थना कर रहे हैं।

हादसे में तीनों शिक्षिकाएं और कार चालक गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायलों को उपचार के लिए हैलट अस्पताल भेजा। जहां इलाज के दौरान शिक्षिका आकांक्षा मिश्रा और अंजुला मिश्रा की मौत हो गई। थोड़ी देर बाद कार ड्राइवर विशाल द्विवेदी निवासी कश्यप नगर कल्याणपुर को भी डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। ऋचा अग्निहोत्री की गंभीर हालत में रामा अस्पताल मंधना के आईसीयू वार्ड में इलाज चल रहा है।

ऋषा अग्निहोत्री घायल टीचर प्राथमिक विद्यालय जयमाल नगर उन्नाव।

सेंट्रल स्टेशन के आउटर पर जीआरपी ने चलाया चेकिंग अभियान

यात्रियों की सुरक्षा को लेकर सख्त दिखे थाना प्रभारी ओम नारायण सिंह

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। कानपुर सेंट्रल रेलवे स्टेशन के आउटर क्षेत्र में सोमवार को जीआरपी द्वारा विशेष चेकिंग अभियान चलाया गया। इस दौरान जीआरपी थाना प्रभारी ओम नारायण सिंह खुद मौके पर मौजूद रहे और यात्रियों से बातचीत कर सुरक्षा का भरोसा दिलाया।थाना प्रभारी ने अपने दल के साथ आउटर इलाके में संदिग्ध व्यक्तियों की तलाशी ली और यात्रियों के सामान की भी जांच की।

चेकिंग के दौरान रेलवे ट्रैक और उसके आसपास मौजूद यात्रियों को सावधानी बरतने की सलाह दी गई। उन्होंने बताया कि यह अभियान यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने और किसी भी आपराधिक गतिविधि पर लगाम लगाने के उद्देश्य से चलाया जा रहा है।

अभियान के दौरान पुलिसकर्मी पूरी तरह मुस्तैद नजर आए और यात्रियों के साथ सहयोगपूर्ण रवैया अपनाया गया। जीआरपी की इस सक्रियता से यात्रियों ने राहत महसूस की और पुलिस की कार्यशैली की सराहना भी की।

इस अभियान के दौरान रेलवे ट्रैक के आसपास बसी झुग्गी-झोपड़ियों में रहने वाले लोगों से भी थाना प्रभारी ने बातचीत की और उन्हें सख्त हिदायत दी कि वे रेलवे ट्रैक पर न आएं और किसी भी संदिग्ध गतिविधि में शामिल न हों।

पुलिस ने स्पष्ट चेतावनी दी कि यदि कोई व्यक्ति अवैध गतिविधियों में लिप्त पाया गया, तो उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

थाना प्रभारी ने बताया कि आगे भी यह चेकिंग अभियान जारी रहेगा और स्टेशन क्षेत्र की सुरक्षा में कोई कमी नहीं आने दी जाएगी।

घाटमपुर पावर प्लांट का उद्घाटन कर सकते हैं प्रधानमंत्री मोदी अभी दो यूनिटों पर चल रहा है काम

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 24 अप्रैल को शहर आ रहे हैं। प्रधानमंत्री इस अवसर पर विभिन्न परियोजनाओं की आधारशिला रखेंगे और लोकार्पण करेंगे। बड़ी परियोजनाओं की सूची पनकी और घाटमपुर पावर प्लांट का भी नाम शामिल है। जिनका लोकार्पण प्रधानमंत्री के हाथों कराया जा सकता है।

पनकी पॉवर प्लांट में 660 मेगावाट क्षमता की यूनिट शुरू हो चुकी है। घाटमपुर में भी 660 मेगावॉट बिजली का उत्पादन हो रहा है। अभी यहां 660-660 मेगावॉट की दो यूनिटों का काम चल रहा है। पनकी पावर हाउस में प्रथम स्टेज का काम वर्ष 1967 में शुरू हुआ था। क्षमता 32 मेगावाट थी। वर्ष 1977 में यहां 110 मेगावाट बिजली का उत्पादन शुरू हुआ। प्लांट का संचालन वर्ष 2016 में बंद हो गया था। वर्ष 2018 में दोबारा चालू करने की कवायद हुई। 2019 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पनकी पॉवर प्लांट में 660 मेगावाट की नई यूनिट की आधारशिला रखी। अब यहां उत्पादन शुरू हो चुका है। ऐसे में प्रधानमंत्री के हाथों आधारशिला रखवाने की तैयारी है। नेयवेली उत्तर प्रदेश पावर लिमिटेड (एनयूपीपीएल) घाटमपुर में 660-660 मेगावॉट की तीन यूनिटें बना रहा है। एक यूनिट में उत्पादन शुरू हो गया है।। शेष बिजली असम को दी जानी है। इस पावर प्लांट के लिए 1886 एकड़ भूमि अधिग्रहीत की गई थी। 19406.12 करोड़ रुपये से परियोजना की आधारशिला वर्ष 2016 में रखी गई थी। कहा जा रहा है कि चार से पांच माह में दो अन्य इकाइयों में बिजली उत्पादन के लिए टेस्टिंग की प्रक्रिया शुरू हो जाएगी। प्रधानमंत्री से कई अन्य परियोजनाओं का भी शिलान्यास कराने की तैयारी है। घाटमपुर स्थित पावर प्लांट की दो अन्य यूनिटें कब तक बनकर शुरू होंगी इसकी घोषणा भी प्रधानमंत्री कर सकते हैं।

सम्पादकीय

रॉक गार्डन पर अदूरदर्शितापूर्ण फैसला

कला के संरक्षण के लिये नीति-नियंताओं से संवेदनशील व्यवहार की उम्मीद की जाती है। बहुत संभव है कि यह संरक्षण दैनिक जीवन में किसी तरह की विसंगति पैदा करे, लेकिन भावी पीढ़ियों को अतीत के कला सौंदर्य से रूबरू कराना हर समाज का दायित्व होता है। कला संरक्षण की प्रासंगिकता का प्रश्न पंजाब व हरियाणा उच्च न्यायालय के उस निर्देश के बाद फिर सामने उत्पन्न हुआ है, जिसमें सड़क को चौड़ा करने तथा पार्किंग के विस्तार के लिये रॉक गार्डन की दीवार के एक हिस्से को ध्वस्त करने का निर्देश दिया गया है। यह प्रकरण विरासत के संरक्षण और बुनियादी ढांचे के विस्तार के बीच संतुलन को लेकर गंभीर चिंता उत्पन्न करता है। निस्संदेह, केंद्र शासित प्रदेश के अधिकारियों द्वारा क्रियान्वित निर्णय न केवल रॉक गार्डन के निर्माता नेक चंद की कलात्मक विरासत के एक हिस्से को मिटा देता है, बल्कि एक परेशान करने वाली मिसाल भी स्थापित करता है। जो बताता है कि कि नया भारत विकास के नाम पर अपनी सांस्कृतिक व वन विरासत के साथ कैसा व्यवहार करता है। निस्संदेह, इस तथ्य को लेकर दो राय नहीं हो सकती है कि रॉक गार्डन ने केंद्र शासित प्रदेश चंडीगढ़ को एक विशिष्ट पहचान दी है। नेकचंद की इस विरासत ने दुनिया को बेकार और अनुपयोगी चीजों को नया स्वरूप देने की एक नई दृष्टि प्रदान की है। दशकों से रॉक गार्डन रचनात्मक मानवीय कला दृष्टि के प्रमाण के रूप में खड़ा है कि कैसे सकारात्मक सोच के साथ कचरे को आश्चर्यजनक कृति में तब्दील किया जा सकता है। महत्वपूर्ण बात यह भी है कि नेकचंद की इस अद्भुत कला से प्रेरित होकर देश-दुनिया के विभिन्न भागों में रॉक गार्डन की प्रतिकृति बनाने की भी प्रेरणा भी मिली। नेकचंद के जाने के बाद भी रॉक गार्डन कलात्मकता के एक जीवंत प्रमाण के रूप में विद्यमान है। ऐसे में समाज व प्रशासन का नैतिक दायित्व बनता है कि इस सांस्कृतिक विरासत का संरक्षण किया जाए।यही वजह है कि सिटी ब्यूटीफुल के तमाम जिम्मेदार, सजग व संभ्रांत लोग अपनी सांस्कृतिक विरासत की रक्षा के लिये आगे आए हैं। यह विडंबना कही जाएगी हम अपनी समृद्ध और कलात्मक विरासत के एक हिस्से को सड़क निर्माण और प्रदूषण बढ़ाने वाले वाहनों के उपयोग के लिये बनायी जा रही पार्किंग के लिये खो देंगे। यह भी तर्क दिया जा रहा है कि ध्वस्त की गई दीवार रॉक गार्डन में नेक चंद द्वारा बनायी गई मूल संरचना का हिस्सा नहीं थी। यदि यह तर्क स्वीकार भी कर लिया जाता है तो भविष्य में इस दलील के आधार पर इसके अन्य हिस्सों के अस्तित्व पर संकट मंडरा सकता है। निस्संदेह, किसी संरचना या सांस्कृतिक प्रतीक के महत्व को उसके ढांचे के रूप में नहीं बल्कि उसके साथ लोगों के सांस्कृतिक और भावनात्मक जुड़ाव के रूप में देखा जाना चाहिए।

उनकी भी सोचें जिनसे किसी ने हमदर्दी नहीं जतायी

गुरबचन जगत

पंजाब से युवाओं के पश्चिमी देशों की ओर पलायन की कई लहर चलीं। बेहतर भविष्य की तलाश में वे विदेश गये क्योंकि यहां रोजगार के माकूल अवसर नहीं। ऐसे में वैध-अवैध पलायन जारी रहा। अमेरिका का इन लोगों को बेड़ियों में जकड़ना कुछ ज्यादा ही आसान रहा लेकिन देश में विदेशी मुद्रा लाने वाले इन अप्रवासियों का अपमानजनक निर्वासन और उस पर देश में कोई प्रतिक्रिया व्यक्त न करना चिंताजनक है।पंजाब- पांच दरियाओं की धरती,यूनानी जिसे पेंटापोटामिया (इसका अर्थ भी वही है) पुकारते थे। वह धरा जो प्राचीन काल में सिंधु घाटी सभ्यता, ऋग्वेद और महाभारत की रही। इसी भूमि पर सिकंदर ने झेलम के तट पर पोरस से युद्ध किया, बाबर ने इब्राहिम लोदी से युद्ध किया, एंग्लो-सिख युद्ध यहीं लड़े गए - पंजाब जैसी भूमि के उदाहरण कम ही हैं, जिसने सदियों तक आक्रमण, तबाही और लूटपाट झेली हो।

हम शुरुआत करते हैं 1947 के बाद से, यानी वह घड़ी जो एक शानदार युग की सुबह होने वाली थी। यह प्रभात शेष भारत में खुशी और धूप की तरह खिली, सिवाय पंजाब और बंगाल सूबों के। जो विभाजन हुआ, वह काफी हद तक पंजाब और बंगाल का था। अंग्रेजों द्वारा खींची गई और कांग्रेस नेतृत्व , गांधी और जिन्ना द्वारा स्वीकार की गई एक काल्पनिक रेखा ने पंजाब को बांट दिया। यह पंजाब के शरीर और आत्मा के टुकड़े करना था। इसने अपने पीछे हत्या, बलात्कार और तबाही की सुनामी छोड़ी। ऐसा रक्तपात पहले कभी नहीं हुआ और संभवतः इतिहास का विशालतम जबरन पलायन।यह बड़ी उथल-पुथल कदाचित 1950 के दशक के शुरू में पश्चिमी दुनिया की ओर शुरू पलायन की पहली लहर के अंतर्निहित मुख्य कारणों में से एक थी। शुरू में, यह मामूली थी, अधिकांशतः यूके और उसके बाद कनाडा की तरफ। दो विश्व युद्धों में इस इलाके का योगदान बहुत बड़ा था, और लौटकर आए फौजी यूरोप, अफ्रीका, दक्षिण पूर्व एशिया और मध्य पूर्व से कहानियां व अनुभव सुनाते थे। मनुष्य सदा बेहतर जिंदगी तलाशता रहा, और जब घर पर मौके निराशाजनक हों, तो वह बाहर की ओर देखता है।

यहां देश में, पंजाबी जीवट धीरे-धीरे तारी हुई और अच्छे नेतृत्व और प्रशासन की मदद से, हमने बिखरे टुकड़े सहेजे और विभाजन की भयावहता पर काबू पाया और लगभग सामान्य जीवन जीने लगे। कुछ दशकों तक लगा कि हम समृद्धि-शांति की राह पर हैं। परंतु यह मृगतृष्णा साबित हुई और राजनीतिक-प्रशासनिक व्यवस्था में खामियां उभरने लगीं। पहले से बंटे पंजाब में और विभाजन की मांग की गई जो अंततः सफल हुई। अकाली सिख वर्चस्व वाला राज्य चाहते थे, वहीं पहाड़ी लोगों ने अपने लिए सुरक्षित सूबा मांगा, ठीक यही हरियाणा के लोगों ने किया। संयुक्त पंजाब को तीन राज्यों और एक केंद्र शासित प्रदेश में बांट दिया। चंडीगढ़, जिसे लाहौर के स्थान पर बतौर आधुनिक राजधानी विकसित किया गया था, वह भी जाती रही।विभाजन से पूर्व के पंजाब सूबे के पांच प्रशासनिक संभाग थे - जलंधर (अब जालंधर), लाहौर, दिल्ली, मुल्तान और रावलपिंडी। इसे बड़ी उपलब्धि के रूप में सराहा गया, लेकिन असल में इसने पंजाब के पतन की शुरुआत की क्योंकि लड़खड़ाती अर्थव्यवस्था और पतनशील नेतृत्व ने अफरातफरी पैदा की। पहाड़ और उनके जंगल व जलीय स्रोत हिमाचल में वहीं राष्ट्रीय राजधानी की निकटता, इसके फायदे और यमुना किनारे की भूमि हरियाणा में चले गए। इस क्षेत्र का नाम बदलकर अब 'लघु आब' कर दिया जाना चाहिए क्योंकि यह अब 'पंज-आब' कहलवाने लायक नहीं रहा।

खतरे में है कश्मीर की नैसर्गिक अस्मिता

मौसम की मार

पंकज चतुर्वेदी

सेब की अच्छी फसल के लिए चालीस दिन के लिए कड़ाके की ठंड अनिवार्य होती है जो इस बार दिखी नहीं। कुछ साल पहले तक कश्मीर में सालाना 20 से 25 लाख मीट्रिक टन से अधिक सेब की पैदावार होती थी, अब यह घट कर केवल 17-18 लाख मीट्रिक टन रह गई है।

बीते कुछ सालों में कश्मीर घाटी के मौसम में बदलाव यहां के नैसर्गिक पर्यावरण के अस्तित्व के लिए खतरा बन गया है। आमतौर पर 21 दिसंबर से 29 जनवरी तक कश्मीर घाटी में चिलई कलां के दौरान तापमान शून्य से नीचे और भारी बर्फबारी होती है। मौसम विज्ञानियों ने भविष्यवाणी की थी कि 2024-2025 में ला नीना प्रभाव के कारण इस क्षेत्र में अच्छी बरसात होगी, लेकिन ऐसा हुआ नहीं।

न बर्फ गिरी और न ही बरसात। मौसम विभाग ने पहले ही कश्मीर घाटी में जनवरी के महीने में 81 प्रतिशत कम बारिश होने के चलते अलर्ट जारी किया है। कठुआ में पिछले करीब तीन माह के दौरान क्षेत्र में इस बार पर्याप्त वर्षा न होने के कारण किसानों की फसलें सूखने के कगार पर आ गई हैं।सर्दियों में गर्मी का खेती-किसानी पर असर कई तरीके से हो रहा है। तापमान बढ़ने से कीटों की सुप्तावस्था जल्दी समाप्त हो जाती है, जिससे उनके संक्रमण चक्र बढ़ जाते हैं। जब फल के पेड़ों पर फूल आते हैं, तभी कीट का प्रकोप बढ़ने

पर कीट नियंत्रण अधिक कठिन हो जाता है। पुष्पावस्था में कीटनाशकों का छिड़काव उपज और गुणवत्ता दोनों को प्रभावित करता है। सेब फल के पत्तों को खाने वाले कीट सक्रिय हो जाते हैं। इसके अलावा पता गोभी सहित अधिकांश सब्जियों के पौधों पर कीट हमला कर रहे हैं। उच्च तापमान से कुछ ऐसे एंजाइमों का उत्पादन होता है जो समशीतोष्ण फलों के पेड़ों के लिए हानिकारक होते हैं।आलूबुखारा, खुबानी, चेरी, नाशपाती और यहां तक कि सेब जैसी बागवानी फसलों पर जल्दी फूल लगने से उनका उत्पादन चक्र गड़बड़ा रहा है और अनुकूल मौसम न होने के कारण या तो फूल फल में परिवर्तित नहीं हो पा रहे या फिर बहुत कमजोर हो रहे हैं। तापमान का असर मधुमक्खी और भंवरे जैसे कीटों पर भी पड़ा है, जिससे परागण की नैसर्गिक प्रक्रिया प्रभावित हुई है। वैसे भी सेब की अच्छी फसल के लिए चालीस दिन के लिए कड़ाके की ठंड अनिवार्य होती है जो इस बार दिखी नहीं। कुछ साल पहले तक कश्मीर में सालाना 20 से 25 लाख मीट्रिक टन से अधिक सेब की पैदावार होती थी, अब यह घट कर केवल 17-18 लाख मीट्रिक टन रह गई है। जलवायु परिवर्तन से सर्वाधिक प्रभावित हुई है केसर की खेती। बेमौसम गर्मी के कारण न तो उसकी जड़ों का विस्तार हो पा रहा है और न ही पौधे की वृद्धि।

कम बर्फबारी का सबसे दूरगामी कुप्रभाव है यहां की जल निधियों का अभी से सूखना। गांदरबल जिले की कई सरिताएं और छोटी नदियां अब सूख चुकी हैं। अनंतनाग जिले के मशहूर अचाबल तालाब में तली दिख रही है। कभी इससे 15 गांवों को पानी की आपूर्ति और कई सौ एकड़ धान के खेतों की सिंचाई होती थी। अनंतनाग जिले में वेरीनाग स्रोत में पानी का बहाव बहुत कम हो गया है। वेरीनाग से झेलम नदी निकलती है, जो घाटी के बीच से अनंतनाग, पुलवामा, श्रीनगर, गांदरबल, बांदीपोरा और बारामूला जिलों तक बहती है और फिर पाकिस्तान के मिथनकोट में सिंधु नदी में मिल जाती है।

यूपीआई का बवाल, ऐप्स हुए बेहाल...

टेक्नोलॉजी

एक बार फिरसे ठप हुई यूपीआई की सर्विस। गूगल पे, फोनपे और पेटीएम सहित प्रमुख डिजिटल भुगतान ऐप्स के यूजर्स लेनदेन पूरा करने में असमर्थ रहे। आपको बता दें कि, अभी तक इस समस्या को लेकर कोई भी आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है। बीते कुछ दिनों में यह लगातार कई बार सर्वर डाउन हुआ है।

देशभर में शनिवार की सुबह एक बड़ी तकनीकी गड़बड़ी के कारण यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई) सेवाएं बाधित हो गई, जो पिछले 30 दिनों में तीसरी बड़ी गड़बड़ी थी। तकनीकी खराबी के कारण से यूपीआई सर्विस अस्थायी रुप से ठप हो गई है, ऐसे में लाखों यूजर्स की ट्रांजेक्शन फेल हो गई है। गूगल पे, फोनपे और पेटीएम सहित प्रमुख डिजिटल पेमेंट ऐप्स के यूजर्स को लेनदेन पूरा करने में असमर्थ रहे, जिससे व्यक्तियों और व्यवसायों दोनों को व्यापक रुप से असुविधा हुई।

एक ऐसा प्लेटफॉर्म जो यूज़र्स की शिकायतों के आधार पर सर्विस में आई रुकावटों पर नजर रखता है, उसके मुताबिक शनिवार सुबह 11-30 बजे के बाद से यूपीआई ट्रांजैक्शन फेल होने की शिकायतें लगातार आने लगीं। इससे पहले भी 26 मार्च और 2 अप्रैल को भी यूपीआई सर्विस ठप हो गई थी। ने सफाई जारी की

बता दें कि, यूपीआई को संचालित करने वाली संस्था ने इस दिक्कत को स्वीकार करते हुए कहा है कि, एनपीसीआई इस समय में तकनीकी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है, जिसके कारण आंशिक रूप से यूपीआई लेनदेन में कमी आ रही है।

हम इस समस्या को हल करने के लिए काम कर रहे हैं, और आपको अपडेट रखेंगे। हुई असुविधा के लिए खेद हम प्रकट करते है।

बता दें कि यह बयान, एक्स (ट्विटर) पर के हैंडल पर शेयर किया है। यूपीआई डिजिटल अर्थव्यवस्था की रीढ़ इस समय भारत में यूपाआई इंस्टेंट पेमेंट के तौर पर इस्तेमाल किया जा रहा है।

आपको बता दें कि, यह इंफ्रास्ट्रक्चर पर बेस्ड है। इसकी मदद से यूजर किसी भी अतिरिक्त शुल्क के कभी भी और कहीं भी तुरंत पैसे ट्रांसफर कर सकते हैं। यूपीआई ने मार्च में किया था रिकॉर्ड तोड़ प्रदर्शन जानकारी के मुताबिक, मार्च 2025 में यूपीआई ट्रांजैक्शन का कुल मूल्य 24.77 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गया था। इसके अलावा, फरवरी के मुकाबले 12.7त्न अधिक है।

वहीं, फरवरी में कुल ट्रांजैक्शन का आंकड़ा 21.96 लाख करोड़ रुपये था।

काशी में रोज भोग का प्यार, आरती से होता है सत्कार!

धर्म कर्म

हमारे देश में भगवान शिव के तमाम मंदिर हैं। जिनकी अपनी विशेषता है। लेकिन क्या आपको पता है कि काशी विश्वनाथ मंदिर में भोग आरती का बड़ा महत्व होता है। काशी विश्वनाथ मंदिर में की जाने वाली भोग आरती में तमाम श्रद्धालु शामिल होते हैं।

हिंदू धर्म में सोमवार का दिन देवों के देव महादेव की पूजा-अर्चना की जाती है। इस दिन भगवान शिव और मां पार्वती की पूजा की जाती है। साथ ही महादेव की कृपा पाने के लिए सोमवार का व्रत रखा जाता है। सोमवार के व्रत की महिमा शिव पुराण में वर्णित है। वाराणशी का काशी विश्वनाथ मंदिर पूरी दुनिया में प्रसिद्ध है। काशी नगरी को महादेव की नगरी कहा जाता है।

इस मंदिर का इतिहास सदियों पुराना है। वहीं दैवीय काल में भगवान शिव का निवास स्थान काशी में रहा था। गंगा नदी के तट पर बसा यह शहर अपनी आध्यात्मिकता और खूबसूरती के लिए जाना जाता है। वहीं बड़ी संख्या में भक्त देश-विदेश से दर्शन के लिए काशी पहुंचते हैं। धार्मिक मान्यता है कि काशी स्थित विश्वनाथ मंदिर में महादेव के दर्शन मात्र से व्यक्ति की हर मनोकामना पूरी होती है। इससे जातक के सभी प्रकार के संकट, दुख, भय, रोग और दोष आदि दूर हो जाते हैं। रोजाना काशी विश्वनाथ मंदिर में सप्तर्षि और मंगला आरती की जाती है। इसके अलावा मंदिर में भोग आरती का भी आयोजन किया जाता है।

जानिए कब होती है भोग आरती

काशी विश्वनाथ मंदिर में रोजाना भोग आरती रात में 09ः00 बजे से लेकर 10ः15 मिनट तक की जाती है। मंदिर में चार बार आरती की जाती है। वहीं अंतिम आरती भोग आरती होती है।

भोग आरती में महादेव को भोग यानी प्रसाद भेंट किया जाता है। वहीं मां पार्वती को अन्नपूर्णा भी कहा जाता है। मां अन्नपूर्णा और भगवान शिव की पूजा करने से जातक को जीवन में कभी अन्न-धन की कमी नहीं रहती है। व्यक्ति को सभी तरह के सुखों की प्राप्ति होती है। भोग आरती में शामिल होने के लिए भक्तजनों रात 08.30 मिनट तक प्रवेश की अनुमति होती है। वहीं 12 साल तक के बच्चों की एंट्री फ्री है।

भोग आरती

देवों के देव महादेव अपने भक्तों के सारे दुख हर लेते हैं और उनकी महिमा निराली है। वह अपने भक्तों पर असीम कृपा बरसाते हैं और उनकी कृपा से सभी मनोरथ सिद्ध हो जाते हैं। महादेव की पूजा करने से जातक के जीवन में सुखों का आगमन होता है और बाबा विश्वनाथ के दर्शन मात्र से सभी दुख दूर हो जाते हैं।

धार्मिक भावनाओं को आहत करना भीम आर्मी के कार्यकर्ता को पड़ा भारी

» कानपुर देहात के रहने वाले एक युवक के द्वारा सोशल मीडिया पर पोस्टर वायरल किया गया है

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। जैसा कि बीते दिन पूरे देश में धूमधाम से बाबा साहब डॉक्टर भीमराव अंबेडकर जी की जयंती मनाई गई। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रांतीय मुख्यालय का लोकार्पण करने कानपुर पहुंचे आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत जी के द्वारा भी बाबा साहब का माल्यार्पण किया गया। देश के हर एक राजनीतिक दल ने इस महान व्यक्तित्व की जयंती को जोर शोर से मनाया। परंतु कानपुर देहात के रहने वाले एक युवक के द्वारा सोशल मीडिया पर ऐसा पोस्टर वायरल किया गया जिससे प्रतीत होता है कि जिले के अंदर धार्मिक भावनाओं को आहत करके कोई दंगा कराने की साजिश रची गई हो और एक बार फिर सवर्णों और दलितों को आमने-सामने खड़ा करके देश की राजनीति में एक नया भूचाल लाने का प्रयास किया गया हो।

भीम आर्मी के कार्यकर्ता के द्वारा वायरल किया गया विवादित पोस्टर

हमारी इस खबर में जो तस्वीर जारी की गई है वह एक मोबाइल की है और मोबाइल के अंदर स्क्रीन पर आपको एक व्हाट्सएप ग्रुप नजर आ रहा होगा जिसमें एक युवक का मोबाइल नंबर लिखा हुआ है और उसके द्वारा ग्रुप के अंदर शेयर किया हुआ एक पोस्टर दिखाई दे रहा है जिसमें महान व्यक्तित्व बाबा साहब भीमराव अंबेडकर जी की तस्वीर के ठीक नीचे सुनियोजित तरीके से सनातनियों की आस्था के प्रतीक मर्यादा पुरुषोत्तम प्रभु श्री राम को हाथ जोड़कर बैठाया गया है। इस असामाजिक गतिविधि को करने वाले युवक का नाम

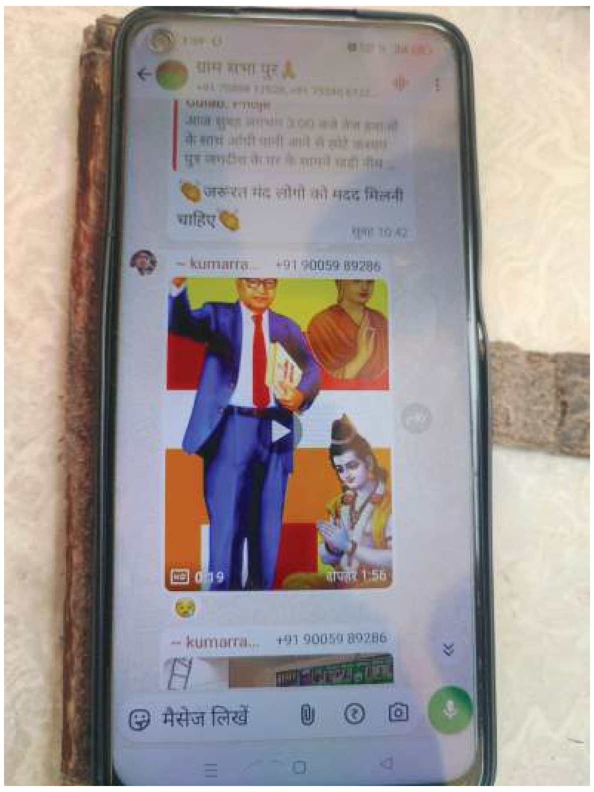

राधाकृष्ण संखवार है जो कानपुर देहात के पुर गांव का रहने वाला है। सोशल मीडिया पर जब युवक की इस अनैतिक गतिविधि का प्रमाण वायरल होना शुरू हुए मामले ने तूल पकड़ता शुरू कर दिया। इस अनैतिक गतिविधि को देखते हुए कुछ हिंदू संगठनों के द्वारा इस पर आपत्ति जताई गई।

मामला गर्म होते देख पुलिस ने लिखा मुकदमा-

हिंदू संगठनों की आपत्ति और विषय की गंभीरता को देखते हुए इस युवक पर कानपुर देहात की अकबरपुर कोतवाली में मुकदमा पंजीकृत किया गया है। कानपुर देहात के जिला संवाददाता के द्वारा अकबरपुर कोतवाली

आरोपी राधाकृष्ण संखवार

इंचार्ज सतीश सिंह से फोन पर बात की गई जिसमें उन्होंने बताया की सोशल मीडिया पर धार्मिक भावनाओं को आहत करने को लेकर ग्रामसभा पुर निवासी राधाकृष्ण संखवार पर अपराध संख्या 0191/2025 मुकदमा पंजीकृत किया गया है जिसमें 66 डी आईटी एक्ट तथा 299 बीएनएस धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाना आदि धाराओं का प्रयोग किया गया है। कोतवाली इंचार्ज के अनुसार युवक के घर पर बीती रात दबिश दी गई पर वह मौके से फरार हो गया युवक की गिरफ्तारी के लिए लगातार प्रयास किया जा रहा है।

डीएम कार्यालय को बम से उड़ाने की धमकी

ईमेल के जरिए भेजा गया संदेश

बाराबंकी। सबसे सुरक्षित और संवेदनशील माने जाने वाले जिलाधिकारी कार्यालय को बम से उड़ाने की धमकी ने प्रशासन में हड़कंप मचा दिया है बताया जा रहा है कि मंगलवार दोपहर जिलाधिकारी कार्यालय के ईमेल पर एक धमकी भरा मेल प्राप्त हुआ, जिसमें साफ तौर पर कार्यालय को बम से उड़ाने की बात कही गई है। इस मेल के सामने आते ही जिला प्रशासन और पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया। इसे एक बड़ी साजिश के रूप में देखा जा रहा है,जिसकी गंभीरता को देखते हुए तुरंत अलर्ट जारी कर दिया गया।धमकी की सूचना मिलते ही बाराबंकी पुलिस में हड़कंप मच गया। आनन-फानन में पुलिस फोर्स, बम स्क्वॉड और खुफिया एजेंसियां मौके पर पहुंचीं। जिलाधिकारी कार्यालय को चारों तरफ से घेर लिया गया है और चप्पे-चप्पे की तलाशी ली

जा रही है। पुलिस और बम निरोधक दस्ते ने डीएम ऑफिस के सामने बने अधिवक्ता चेंबर तक को खंगाल डाला है।हर संदिग्ध चीज़ की जांच की जा रही है। जिले के तमाम आला अधिकारी मौके पर डटे हुए हैं और खुद पूरे ऑपरेशन की निगरानी कर रहे हैं।धमकी ने जिले की सुरक्षा व्यवस्था पर बड़ा सवाल खड़ा कर दिया है। फिलहाल पुलिस इस बात की जांच कर रही है कि धमकी महज़ शरारत है या किसी बड़ी साजिश की कड़ी।

माती: कर निर्धारण के नाम पर कारोबारियों को किया जा रहा तंग

» जिला पंचायत में तैनात अधिकारी और कर्मी कर रहे मनमानी

» कर निर्धारण को लेकर कंछल गुट के व्यापारियों में बढ़ी नाराजगी।

» व्यापारी बोले, टेबल में बैठकर कर न बनाएं, पहले दुकान का सर्वे करें

जो कर के नोटिस बड़े व्यापारियों को थमाया जा रहा है वहीं छोटे पान खोमचे वालों को दिया जा रहा है

स्वराज इंडिया संवाददाता

माती। जिला पंचायत द्वारा कर निर्धारण में की जा रही मनमानी से परेशान गजनेर के व्यापारियों ने व्यापार मंडल अध्यक्ष के प्रतिष्ठान में बैठक कर व्यापारी हितो के बाबत आंदोलन की रणनीति पर चर्चा की। कहा कि छोटे व्यापारियों का उत्पीड़न नहीं सहा जायेगा जो कर बड़े व्यापारियों को दिया जा रहा है वहीं छोटे व्यापारियों को थमाया जा रहा है।

गजनेर व्यापार मंडल अध्यक्ष नीरज गुप्ता के प्रतिष्ठान में आयोजित बैठक में व्यापारियों ने जिला पंचायत द्वारा कर निर्धारण में की जा रही मनमानी का मुद्दा उठाया। अध्यक्ष ने कहा कि जिला पंचायत द्वारा मौके पर आए बिना ही कर का निर्धारण किया जा रहा है।जबकि जिला पंचायत कर का निर्धारण दुकानदार की हैसियत के आधार पर होना चाहिए। उन्होंने बताया की गजनेर में कई पान की दुकान चलाने वाले दुकानदारों पर कर का निर्धारण कर नोटिस भेजी गई है जो कि पूरी तरह व्यापारी हितों के खिलाफ है। उन्होंने कहा की अगर कर निर्धारण में सुधार नहीं किया गया तो व्यापारी आंदोलन करने को बाध्य होंगे।मौजूद सभी व्यापारियों ने ताली बजाकर उनकी बात का समर्थन किया। इस अवसर पर व्यापार मंडल महामंत्री दीपू सिंह परिहार,राजेश सचान, बाल मुकुंद शुक्ला,राम सेवक,वसीम, सफीक सहित कई व्यापारी मौजूद रहे।

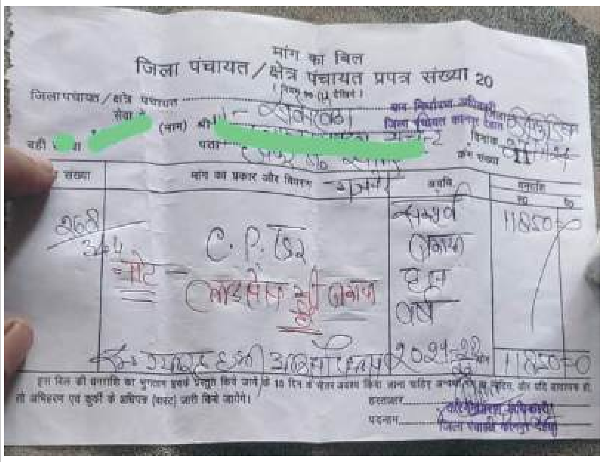

अहंकार का भोजन करते हैं भगवान...!

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। मलासा विकास खंड स्थित लेवा मऊ गांव में श्रीमद्भागवत कथा के पांचवें दिन कथावाचक आचार्य पंडित आशीष कुमार ने भक्तों को भगवान श्रीकृष्ण की बाल लीला का वर्णन सुनाया।उन्होंने कहा कि भगवान कृष्ण के पैदा होने के बाद कंस उसको मौत के घाट उतारने के लिए अपनी राज्य की सर्वाधिक बलवान राक्षसी पूतना को भेजता है। पूतना वेश बदलकर भगवान श्रीकृष्ण को अपने स्तन से जहरीला दूध पिलाने का प्रयास करती है। लेकिन भगवान श्रीकृष्ण उसको मौत के घाट उतार देते हैं। उसके बाद कार्तिक माह में ब्रजवासी भगवान इंद्र को प्रसन्न करने के लिए पूजन का कार्यक्रम करने की तैयारी करते हैं। भगवान कृष्ण द्वारा उनको भगवान इंद्र की पूजन करने से मना करते हुए गोवर्धन महाराज की पूजन करने की बात कहते हैं। इंद्र भगवान उन बातों को सुनकर क्रोधित हो जाते हैं। वह अपने क्रोध से भारी वर्षा करते हैं। जिसको देखकर समस्त ब्रजवासी परेशान हो जाते हैं। भारी वर्षा को देख भगवान श्री कृष्ण गोवर्धन पर्वत को अपनी कनिष्ठा अंगुली पर उठाकर पूरे नगरवासियों को पर्वत को नीचे बुला लेते हैं। जिससे हार कर इंद्र एक सप्ताह के बाद वर्षा को बंद कर देते हैं। जिसके बाद ब्रज में भगवान श्री कृष्ण और गोवर्धन महाराज के जयकारे लगाने लगते हैं। मौके पर भगवान को छप्पन भोग लगाया गया। इस अवसर पर सह आचार्य नीरज कुमार त्रिपाठी नेबढ़िया भजन सुनाया श्रोताओं को भाव विभोर कर दिया। ओर गांव के श्रोता गण आदि लोग मौजूद रहे।

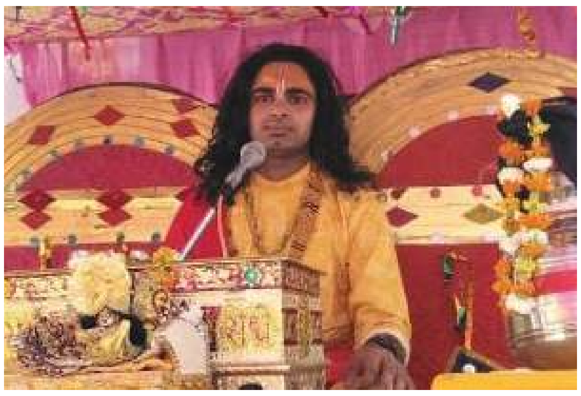

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक सपना देवी द्वारा हर्षिता प्रिंटर्स 127/875, साकेत नगर, कानपुर नगर- 208012 (उप्र) से मुद्रित व 119/13, दर्शनपुरवा, कानपुर नगर- 208012 (उप्र) से प्रकाशित। **संपादक:** अनूप कुमार **RNI No.:** UPHIN/2023/86769 | **Email:** swarajindia2023@gmail.com | **Mob:** 7800009853, | **Website:** www.swarajindianews.com | प्रधान संपादक रतन प्रकाश सिंह (समस्त वाद-विवाद कानपुर न्यायालय के अधीन होंगे)

कानपुर में 24 अप्रैल को पीएम मोदी

» कानपुर मेट्रो और पनकी पावर हाउस सहित कई परियोजनाओं का शुभारंभ और शिलान्यास करेंगे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी

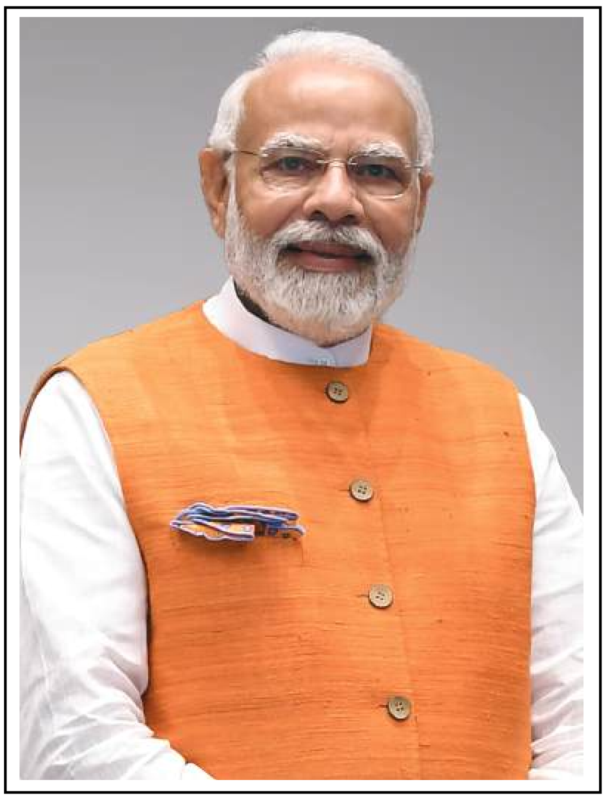

प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। कानपुर में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 24 अप्रैल को प्रस्तावित आगमन को लेकर तैयारियां जोरों पर है शुरू हो गई हैं।

प्रशासनिक अधिकारियों के साथ साथ भाजपा के वरिष्ठ पदाधिकारियो के बीच बैठकों का दौर शुरू हो गया है ।

इस महत्वपूर्ण बैठक में कानपुर सांसद रमेश अवस्थी, मेयर प्रमिला पांडेय सहित अनेक जनप्रतिनिधियों और पार्टी के वरिष्ठ पदाधिकारियों की उपस्थिति रही। सभी ने मिलकर कार्यक्रम को सफल बनाने हेतु रूपरेखा पर विस्तृत चर्चा की।

सांसद रमेश अवस्थी ने कहा कि प्रधानमंत्री का कानपुर आगमन हम सभी के लिए गौरव का विषय है और इसे ऐतिहासिक बनाने हेतु हर स्तर पर कार्य किया जा रहा है।

देशहित के इस ऐतिहासिक अवसर का साक्षी बनने के लिए कानपुर तैयार है।

सीएसए यूनिवर्सिटी में हुई बैठक

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दिनांक 24 अप्रैल 2025 को कानपुर आगमन पर आवश्यक व्यवस्थाओं के सम्बन्ध में चन्द्रशेखर आजाद कृषि विश्वविद्यालय के सभागार में जनप्रतिनिधियों एवं प्रशासनिक अधिकारियों के साथ आयोजित बैठक में प्रतिभाग किया एवं उद्घाटन स्थल, सभा स्थल, पार्किंग स्थल का निरीक्षण किया।

सीआईएसएफ का अग्निशमन सेवा सप्ताह कार्यक्रम का शुभारंभ

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर।घाटमपुर पावर प्लांट में कार्यरत सीआईएसएफ का अग्निशमन सेवा सप्ताह सोमवार से शुभारंम्भ हुआ है। पहले दिन उद्घाटन समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें प्रबंधन के सभी अधिकारी उपस्थित रहे। 14 अप्रैल से लेकर 20 अप्रैल तक राष्ट्रीय अग्निशमन सेवा सप्ताह के रूप में मनाया जाएगा। जिसमें आगजनी से बचाव और जागरूकता को लेकर सप्ताह भर अभियान चलाया जाएगा।

पिता की जमीन बचाने के लिए फेरों से पहले धरने पर बैठी दुल्हन

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

बागपत। उत्तर प्रदेश के बागपत जिले में एक लड़की ने अधिकारियों द्वारा उसके पिता की जमीन के कथित जबरन अधिग्रहण के खिलाफ अपनी शादी के दिन विरोध प्रदर्शन किया। अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। अधिकारी दिल्ली-देहरादून आर्थिक गलियारा परियोजना (इकोनॉमिक कॉरिडोर परियोजना) के तहत जमीन का अधिग्रहण में जुटे हैं।

अधिकारियों ने बताया कि घटना रविवार को बागपत के बड़ौत कोतवाली क्षेत्र के बिजरौल–जलालपुर गांव की है, जहां वंशिका नाम की युवती ने अपने पिता देशपाल सिंह की जमीन को कथित जबरन अधिग्रहण से बचाने के लिए वरमाला से ठीक पहले विरोध प्रदर्शन में हिस्सा लिया।

परिवार ने आरोप लगाया कि बिना मुआवजा दिए भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) की टीम पुलिस बल के साथ जबरन उनकी एक बीघा जमीन पर कब्जा करने पहुंची थी। वहीं अधिकारी इस जमीन को पहले से अधिग्रहित भूमि बता रहे हैं।

स्थानीय परियोजना निदेशक नरेंद्र सिंह ने मीडिया को बताया कि जिस जमीन को लेकर विवाद है, वह पहले ही अधिग्रहित की जा चुकी है और रविवार को पुलिस उस स्थान पर बने एक अवैध कमरे को हटाने के लिए गई थी, जिसे मुआवजा राशि बढ़वाने के उद्देश्य से बनाया गया था। उन्होंने आरोप लगाया कि दुल्हन और उसके परिवार द्वारा किया गया प्रदर्शन 'प्रचार मात्र' है और इस मामले में दीवानी और आपराधिक मुकदमा दर्ज कराने की प्रक्रिया की जा रही है। वंशिका के पिता देशपाल सिंह ने बताया कि उनके परिवार की जमीन को तीन बार अधिग्रहित किया जा चुका है और अब चौथी बार एक बीघा भूमि बिना उचित मुआवजा दिए ली जा रही है, जिसका वे विरोध कर रहे हैं।

उन्होंने आरोप लगाया कि इस अतिरिक्त एक बीघा जमीन की कॉरिडोर निर्माण में कोई आवश्यकता नहीं है।

ग्राम ओहरामऊ के पंचायत भवन में ताला, जनता परेशान

पंचायत सचिव व कर्मचारी के न बैठने से ग्रामीणों को हो रही दिक्कत

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

हैदरगढ़(बाराबंकी)। गांव वालों की समस्या का गांव में ही समाधान हो इसके लिए पंचायत सचिव की उपलब्धता गांव में सुनिश्चित करने के उद्देश्य से लाखों रुपए खर्च कर बनाए गए पंचायत भवन में ताले लटक रहे हैं। पंचायत सचिव व कर्मचारी के न बैठने से ग्रामीणों को परिवार रजिस्टर की नकल , जन्म मृत्यु प्रमाण पत्र , आय जाति निवास के लिए ब्लाक के चक्कर काटने पड़ रहे हैं लेकिन जिम्मेदार अधिकारी इस मामले को लेकर गम्भीर नहीं है।

ऐसा ही कुछ हाल विकास खंड हैदरगढ़ क्षेत्र के ग्राम पंचायत ओहरामऊ में देखने को मिला। यहां पर भी पंचायत भवन बना हुआ है लेकिन संचालन नहीं हो रहा है ।भवन में ताला लटक रहा है । गांव निवासी अनुराग शुक्ला ने बताया कि यह हमेशा बन्द ही रहता है ।यहां पर कोई भी कर्मचारी कभी भी नहीं बैठता है ।यहां पर लगा नल करीब दो साल से खराब पड़ा है जिसकी मरम्मत नहीं हुई है। बैठने की बात तो दूर की इसकी सफाई तक कभी नहीं कराई जाती गंदगी होने की वजह से कोई इसे देखना नहीं पसंद करता है उन्होंने बताया कि शौचालय का भी यही हाल है इसका भी संचालन नहीं हो रहा है। देखभाल न होने से धीरे धीरे जर्जर होते जा रहे हैं ।गांव में भी साफ सफाई का बुरा हाल है नालियां कूड़े कचरों से भरी पड़ी है चारो तरफ गंदगी पसरी हुई है व रास्ते व नलियों के इर्द गिर्द घास उगी हुई है जिससे मच्छरों का प्रकोप बढ़ रहा है। संक्रमित बीमारी फैलने का डर भी बना रहता है। लेकिन ग्रामीणों की समस्या की ओर कोई ध्यान देना वाला नहीं है ।खण्ड विकास अधिकारी संजीव कुमार गुप्ता ने बताया कि मामला संज्ञान में आया है एडीओ पंचायत से निरीक्षण करवाकर कार्यवाही की जाएगी।

ग्राम पंचायत भवन का बुरा हाल

संविधान दिवस पर आरएसएस स्वयं सेवकों ने किया पथ संचलन

» संविधान दिवस पर आरएसएस स्वयं सेवकों ने किया पथ संचलन

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

बाराबंकी। मिनी स्टेडियम रामसनेहीघाट परिसर में राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ द्वारा संविधान दिवस मनाया गया ।जिसमें संविधान के बारे में विस्तार से जानकारी देने के बाद संविधान के नियमों का पालन करने की शपथ दिलाई गई।

संविधान दिवस कार्यक्रम का शुभारंभ वरिष्ठ स्वयं सेवकों द्वारा किया गया ।आरएसएस अयोध्या विभाग संघ चालक गंगा बक्श सिंह ने लोगो को जानकारी देते हुए कहा कि डॉक्टर भीम राव अंबेडकर के नेतृत्व में 26 नवंबर 1949 को संविधान सभा द्वारा भारत के संविधान को स्वीकार किया गया था ।राज्यमंत्री सतीश चंद्र शर्मा ने बताया कि संविधान के द्वारा भारत के प्रत्येक नागरिक को मौलिक अधिकार प्रदान किए गए हैं ।उक्त कार्यक्रम में राज्यमंत्री सतीश चंद्र शर्मा,विवेक प्रताप सिंह,प्रदीप द्विवेदी,बृजेश रावत,आलोक तिवारी,शिवेंद्र प्रताप सिंह,अवधेश श्रीवास्तव,संजय सिंह,पंकज तिवारी,शीतला प्रसाद शुक्ला आदि मौजूद रहे।

राम जन्मभूमि परिसर में संत तुलसीदास की प्रतिमा का लोकार्पण

» श्रद्धालुओं के लिए आध्यात्मिक अनुभूति का नया केंद्र बना परिसर

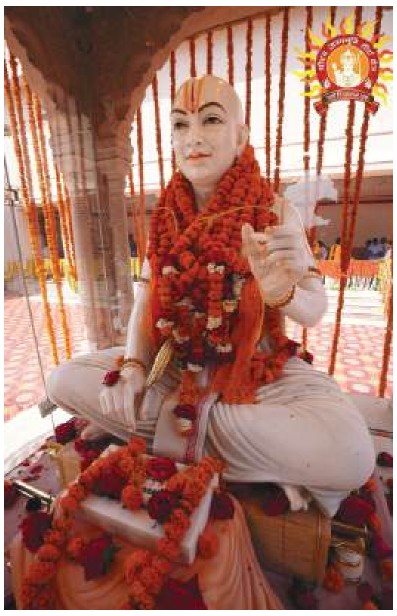

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

अयोध्या। अयोध्या की पावन धरती पर रामभक्तों को एक और आध्यात्मिक सौगात मिली है। वैशाख कृष्ण द्वितीया, विक्रम संवत 2082, मंगलवार को श्रीराम जन्मभूमि मंदिर परिसर में संत तुलसीदास जी की भव्य प्रतिमा का विधिवत पूजन कर लोकार्पण किया गया। यह प्रतिमा परिसर स्थित यात्री सुविधा केंद्र के पूर्वी प्रवेश द्वार प्रांगण में स्थापित की गई है।

श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महामंत्री चम्पत राय ने जानकारी देते हुए बताया कि यह प्रतिमा उन करोड़ों श्रद्धालुओं के लिए आस्था और प्रेरणा का स्रोत बनेगी, जो वर्ष भर श्रीरामलला के दर्शन हेतु अयोध्या आते हैं। अब मंदिर प्रवेश से पहले उन्हें संत तुलसीदास जी के दर्शन का पुण्य भी प्राप्त होगा।संत तुलसीदास जी, जिन्होंने श्रीरामचरितमानस की रचना कर श्रीरामकथा को घर-घर तक पहुँचाया, उनकी प्रतिमा का यह स्थान श्रद्धालुओं को मानस के भावलोक में प्रवेश कराने जैसा अनुभव देगा। यह प्रतिमा न केवल एक स्मारक है, बल्कि रामभक्ति परंपरा की निरंतरता का प्रतीक भी है।

प्रतिमा का लोकार्पण पूर्ण वैदिक विधि-विधान से संपन्न हुआ। पूजा-अर्चना के उपरांत श्रद्धालुओं के दर्शनार्थ इसे खोला गया। इस मौके पर ट्रस्ट के अन्य पदाधिकारी व सेवकगण भी उपस्थित रहे।

रामनगरी की सांस्कृतिक और आध्यात्मिक गरिमा को बढ़ाने वाले इस आयोजन से श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह देखा गया।

अयोध्या में पत्नी बोली- सौरभ जैसा हाल करूंगी!

» पत्नी ने विवाद के बाद धमकाया,

» नीले ड्रम की दी धमकी

» पति ने पुलिस में दर्ज कराई एफआईआर

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

अयोध्या। अयोध्या में दिल दहला देने वाला मामला सामने आया है, जहां एक महिला ने अपने पति को नीले ड्रम में बंद कर हत्या करने जैसी धमकी दी है। यह धमकी हाल ही में चर्चित हुए सौरभ हत्याकांड की तर्ज पर दी गई है, जिसने पूरे प्रदेश को झकझोर दिया था।

कुमारगंज थाना क्षेत्र के तेंधा गांव निवासी हेमराज पासी ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है कि उनकी पत्नी गायत्री देवी ने उन्हें सौरभ हत्याकांड की तरह अंजाम देने की धमकी दी है। हेमराज का आरोप है कि उनकी पत्नी 12 सितंबर 2024 को दो बच्चों को छोड़कर मायके चली गई थी और उनके 11 वर्षीय बेटे रवि, जो दिल की गंभीर बीमारी से जूझ रहा है, के इलाज के लिए लिया गया 3 लाख 10 हजार का लोन लेकर भी चली गई।हेमराज के मुताबिक, बैंक स्टेटमेंट से पता चला कि खाते में एक भी रुपया नहीं बचा है। जब वे अपनी पत्नी और बच्चों को लेने के लिए रुदौली कोतवाली क्षेत्र के अयहर गांव पहुंचे, तो गायत्री के परिजनों ने न सिर्फ उन्हें गालियां दीं, बल्कि धमकी भी दी कि अगर दोबारा यहां आए तो नीले ड्रम में बंद करके सौरभ जैसी हालत कर देंगे।

हेमराज डर के मारे वहां से भागे और कुमारगंज थाने में शिकायत दर्ज कराई। मामले को गंभीरता से लेते हुए थानाध्यक्ष अमरजीत सिंह ने संबंधित उपनिरीक्षक को जांच कर कार्रवाई के निर्देश दिए हैं।इस सनसनीखेज धमकी ने एक बार फिर सौरभ हत्याकांड की भयावहता को लोगों के जेहन में ताजा कर दिया है। अब देखना होगा कि पुलिस जांच में क्या सामने आता है और हेमराज को न्याय मिल पाता है या नहीं।

सीएम योगी ने लिया संज्ञान, अधिकारियों को दिए निर्देश

मंगेतर के सामने गैंगरेप: पीड़िता को दी पांच लाख की सहायता

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो।

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के कासगंज जिले में मंगेतर के साथ झाल के पुल पर घूमने आई युवती के साथ सामूहिक दुष्कर्म किया गया। इतना ही नहीं हैवानों ने मंगेतर के सामने युवती से कपड़े उतरवाएं और उसकी वीडियो बना ली। अब ये मामला तूल पकड़ता जा रहा है। राज्य के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भी वारदात का संज्ञान लिया और पीड़िता को आर्थिक मदद करने के निर्देश दिए।

सीएम योगी आदित्यनाथ के निर्देश के बाद डीएम मेधा रूपम, एसपी अंकिता शर्मा ने उसके घर जाकर पांच लाख रुपये की आर्थिक सहायता का चेक प्रदान किया। इस दौरान डीएम व एसपी ने घटना के दोषियों पर सख्त कार्रवाई का भरोसा दिया गया। डीएम ने बताया कि पीड़िता को शीघ्र न्याय दिलाया जाएगा। आठ आरोपी गिरफ्तार किए जा चुके हैं। अन्य विधिक कार्रवाई तेजी से संचालित हैं।

बीते शुक्रवार शाम 4 बजे आस-पास एक युवती अपने मंगेतर के साथ पिकनिक प्वाइंट झाल के पुल पर घूमने के लिए गई थी। इस दौरान दोनों एकांत में बैठे हुए थे तभी अचानक से 8 लोग मिलकर उनके पास पहुंच गए और दोनों को लोकर गंदे-गंदे शब्द बोलने लगे। थोड़े ही देर बाद मंगेतर पकड़कर मारपीट करने लगे। तभी कुछ आरोपी युवती को घसीटते हुए सुनसान जगह पर ले गए और आठों आरोपियों ने उसके साथ बारी-बारी से रेप किया। यह सिलसिला लगभग 2 घंटे तक चला। जब सबका मन भर गया तो दोनों को छोड़कर चले गए। दोनों जैसे तैसे घर आ गए लेकिन बेइज्जती की वजह से घटना को छुपाने की कोशिश करने लगे। लेकिन युवती की तबियत खराब हो गई। डरी सहमी युवती ने खुद पर बीती घटना की जानकारी परिजनों को दी। परिजन युवती को लेकर घटना स्थल पर पहुंचे। जहां 112 पर कॉल कर पुलिस को जानकारी दी।

परिजनों की सुरक्षा के किए इंतजाम

इस घटना के बाद पुलिस ने परिजनों की सुरक्षा के लिए इंतजाम किए। एसपी अंकिता शर्मा ने पीड़िता के परिवार को पुलिस सुरक्षा प्रदान कराई। जिससे कोई भी उन्हें भयभीत न कर सके। इसके अलावा पीड़िता के घर पर सीसीटीवी कैमरे लगवाए गए हैं।

बता दें कि कासगंज में गैंगरेप के आरोपियों में से एक आरोपी बीजेपी का स्थानीय नेता बताया गया है उसका नाम अखिलेश प्रताप सिंह उर्फ गब्बर है। कासगंज में अपने मंगेतर के साथ घूमने गई एक युवती से 8 से 10 आरोपियों ने उन्हें अकेला पाकर घेर लिया था। उन्हें पकड़कर दूसरी जगह ले गए। वहां मंगेतर को बंधक बनाकर उसके सामने युवती के साथ दरिंदगी को अंजाम दिया था। मामले की सूचना मिलते ही पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी थी। स्पेशल टीम बनाकर आठ आरोपियों को पकड़ लिया गया जिनमें से एक बीजेपी का स्थानीय नेता अखिलेश प्रताप सिंह उर्फ गब्बर बताया जा रहा है।

योगी सरकार ने एक झटके में किए नौ आईएएस के तबादले

» स्वराज इंडिया ब्यूरो।

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) के 9 अधिकारियों का तबादला कर दिया गया है। आधिकारिक सूत्रों ने मंगलवार को बताया कि समाज कल्याण विभाग में सचिव समीर वर्मा को महानिरीक्षक निबंधन उत्तर प्रदेश के पद पर भेजा गया है वहीं लोक निर्माण विभाग में सचिव भूपेंद्र एस चौधरी को आयुक्त खाद्य एवं रसद नियुक्त किया गया है। प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना में नोडल आफिसर डॉ. हीरालाल को आयुक्त एवं निबंधक सहकारी समितियां बनाया गया है। नवीन कुमार जीएस को सचिव सिंचाई विभाग वर्तमान पद के साथ स्टेट नोडल ऑफिसर प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना के पद का अतिरिक्त प्रभार दिया गया है।

मिली जानकारी के मुताबिक, प्रमोद कुमार उपाध्याय सचिव भू संपदा विनिमयक प्राधिकरण रेरा को गन्ना आयुक्त के पद पर भेजा गया है जबकि मौजूदा गन्ना आयुक्त पीएन सिंह को प्रतीक्षा सूची में डाल दिया गया है। वैभव श्रीवास्तव सचिव गृह विभाग को पीडीसीएफ का प्रबंध निदेशक बनाया गया है। बी चंद्रकला को सचिव महिला कल्याण तथा पंचायतीराज विभाग को पंचायतीराज के प्रभार से अवमुक्त कर सचिव महिला कल्याण विभाग के पद पर यथावत रखा गया है। अमित कुमार सिंह विशेष सचिव नगर विकास विभाग तथा संयुक्त प्रबंध निदेशक उप्र जल निगम को निदेशक पंचायती राज की जिम्मेदारी दी गई है।

छवि बदलने की ओर उठाया जा रहा ठोस कदम

सहायक आचार्य भर्ती परीक्षा छह जनपदों के 52 सेंटर्स पर

सीएम योगी ने निर्देश पर परीक्षा को नकलविहीन, निष्पक्ष और पारदर्शिता के साथ संपन्न कराने में जुटा आयोग

» लखनऊ, स्वराज इंडिया ब्यूरो।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मिशन रोजगार को मजबूती देने की दिशा में एक और अहम कदम के तहत सहायक आचार्य पद की लिखित परीक्षा को निष्पक्ष और नकलविहीन बनाने के लिए विशेष तैयारियां की गई हैं। परीक्षा 16 और 17 अप्रैल को दो पालियों में 6 जनपदों (आगरा, मेरठ, प्रयागराज, लखनऊ, गोरखपुर और वाराणसी) के 52 परीक्षा केंद्रों पर आयोजित होगी। सीएम योगी के स्पष्ट निर्देश हैं कि राज्य में कोई भी भर्ती परीक्षा नकल या अनुचित तरीके से प्रभावित न हो। इसी को ध्यान में रखते हुए हर केंद्र पर सेक्टर मजिस्ट्रेट और स्टैटिक मजिस्ट्रेट की नियुक्ति की जा रही है। इसके साथ ही सुरक्षा के भी पुख्ता इंतजाम किए गए हैं।

सुरक्षा का विशेष प्लान

सीएम योगी ने जिलाधिकारियों को आदेश दिया गया है कि परीक्षा केंद्रों पर पूरी तरह सशस्त्र पुलिस बल की तैनाती हो। साथ ही, आवश्यकतानुसार निषेधाज्ञा लागू करने का भी अधिकार जिलाधिकारी को सौंपा गया है। गोपनीय सामग्री को कोषागार से आयोग कार्यालय तक लाने और ले जाने के लिए विशेष सुरक्षा प्रबंध किए गए हैं।

प्रयागराज में सबसे ज्यादा अभ्यर्थी देंगे परीक्षा

कुल 82,876 परीक्षार्थी परीक्षा में शामिल होंगे। प्रयागराज में सर्वाधिक 18,240, मेरठ में 16,010, गोरखपुर में 15,602, लखनऊ में 13,528, वाराणसी में 10,958 और आगरा में 8,538 अभ्यर्थी परीक्षा देंगे। मेरठ, प्रयागराज और गोरखपुर में सर्वाधिक 10-10 केंद्रों पर परीक्षा का आयोजन किया जाएगा तो वहीं, लखनऊ में 9, वाराणसी में 7 और आगरा में 6 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं।

» 16-17 को होने जा रही परीक्षा में कुल 82,876 अभ्यर्थी होंगे शामिल, प्रयागराज में सर्वाधिक अभ्यर्थी देंगे परीक्षा।

» हर परीक्षा केंद्र पर सेक्टर और स्टैटिक मजिस्ट्रेट की तैनाती, गोपनीयता व सुरक्षा पर विशेष फोकस।

पारदर्शिता और शुचिता पर विशेष जोर

सीएम योगी आदित्यनाथ की मंशा है कि भर्ती प्रक्रिया से युवाओं का भरोसा लौटे। इसी के दृष्टिगत आयोग और प्रशासन की संयुक्त निगरानी में परीक्षा कराई जा रही है। आयोग के अध्यक्ष, नामित सदस्य, जनपदीय पर्यवेक्षक और केंद्र के पर्यवेक्षक पूरी परीक्षा पर नजर रखेंगे, ताकि परीक्षा पूरी पारदर्शिता और ईमानदारी के साथ आयोजित की जा सके और योग्य उम्मीदवारों को उचित अवसर मिल सके।

वाराणसी गैंगरेप केस में डीसीपी वरुणा जोन नपे

डीजीपी ऑफिस से अटैच किए गए आईपीएस चंद्रकांत मीणा

» कार्यालय संवाददाता, स्वराज इंडिया।

वाराणसी। युवती से गैंगरेप मामले में योगी सरकार ने बड़ी कार्रवाई की है। शासन ने वाराणसी के डीसीपी वरुणा जोन चंद्रकांत मीणा को हटा दिया है। उन्हें डीजीपी मुख्यालय से संबद्ध कर दिया गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस घटना पर नाराजगी जताई थी। दुष्कर्म की यह घटना लालपुर-पांडेयपुर थाना क्षेत्र में हुई है। 23 युवकों ने एक युवती के साथ अलग-अलग स्थानों पर दुष्कर्म किया था। बताया जा रहा है कि शासन वाराणसी पुलिस कमिश्नरेट की कार्यप्रणाली से नाखुश था। इसलिए डीसीपी वरुणा जोन चंद्रकांत मीणा को डीजीपी मुख्यालय लखनऊ से अटैच कर दिया गया।

19 साल की युवती के साथ सात दिनों में 23 युवकों ने अलग-अलग जगहों पर उसके साथ दुष्कर्म किया था। पुलिस के अनुसार, किसी तरह दरिंदों के चंगुल से बचकर युवती घर पहुंची। उसने अपने परिवार के साथ लालपुर पांडेयपुर थाने में 6 अप्रैल को 12 नामजद और 11 अज्ञात लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया। पुलिस ने युवती की निशानदेही पर कई होटलों और हुक्का बार में छापा मारा। 13 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है। 10 आरोपियों की तलाश जारी है।

चार अन्य पुलिस अफसर भी रडार पर

प्रधानमंत्री ने इस मामले पर संज्ञान लिया था। इसके बाद से ही माना जा रहा था कि पुलिस अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई होगी। बताया जा रहा है कि गैंगरेप की शिकार युवती हेपेटाइटिस बी से संक्रमित है। उसे बेहतर इलाज के लिए हायर सेंटर रेफर किया गया है। बताया जा रहा है कि इस मामले में लापरवाही बरतने पर तीन से चार और पुलिस अफसरों पर गाज गिर सकती है। बताया जा रहा है कि हटाए गए डीसीपी वरुणा जोन चंद्रकांत मीणा ने सख्त कार्रवाई नहीं की थी।

बीते दिन वाराणसी पहुंचते ही प्रधानमंत्री मोदी ने इस गैंगरेप मामले में ही अधिकारियों से पूछताछ की थी। प्लेन से उतरने के बाद रनवे पर ही वाराणसी के मंडलायुक्त कौशल राज शर्मा, पुलिस कमिश्नर मोहित अग्रवाल और जिलाधिकारी एस राजलिंगम से पूरे मामले की जानकारी ली थी। पीएम मोदी ने दोषियों को चिह्नित कर कड़ी कार्रवाई का निर्देश दिया था।